नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 14.09.2021

प्रकाशनार्थ

भाषा समाज के सभ्यता स्तर का बोधक है। भाषा भावना के अभिव्यक्ति का माध्यम है। भाषा के बिना समाज के विकास की कल्पना बेमानी है। मानव सभ्यता के विकास में जिन कुछ कारणों का योगदान सर्वाधिक है उसमें भाषा का प्रमुख स्थान है। हिन्दी भाषा भारतीय सामाजिक इतिहास की प्राचीनतम् भाषाओं में से एक है। यह हमारी राष्ट्रभाषा तो नहीं लेकिन राजभाषा अवश्य है। देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी मातृभाषा के साथ राजभाषा का भी सम्मान करना चाहिए। आज हमारा समाज पाश्चात्य सभ्यता के चमक–दमक में अपनी जीवन शैली के साथ–साथ अपनी भाषा को भी विनाश के गर्त में झोंकता जा रहा है। आज की युवा पीढ़ी शुद्ध, प्रांजल एवं व्याकरण सम्मत हिन्दी बोलने में असमर्थ होती जा रही है। वर्तनी एवं व्याकरण का ज्ञान आज की युवा पीढ़ी में अत्यल्प है। यह भाषाई ज्ञानाल्पता निश्चित रूप से हमारे समाज के लिए खेदजनक तो है ही चिन्ता का भी विषय है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित हिन्दी दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के आचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार प्रो. प्रत्यूष दुबे ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि भाषा के इसी महत्व को देखते हुए भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने कहा था कि ''निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।'' भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महादेवी वर्मा, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, हरिशंकर परसाई, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचन्द जैसे मूर्धन्य एवं प्रतिष्ठित हिन्दी भाषा के दैदीप्यमान नक्षत्रों का उदाहरण देते हुए मुख्य वक्ता ने हिन्दी भाषा के विकास में इनके योगदानों को रेखांकित किया। इस

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

अवसर पर अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने कहा कि– भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में भी हिन्दी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका थी। हिन्दी भाषा की ग्रहणशीलता को समाज में हर कीमत पर बनाना होगा। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को अंग्रेजी, विज्ञान एवं अन्य विषयों के साथ हिन्दी में भी निपुण बनाना होगा। तभी हिन्दी भाषा अपने प्राचीन गौरव के साथ भारतीय भाषा जगत की सिरमौर बन सकेगी।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के बी.ए. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने किया तथा अतिथि के प्रति आभार हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ASingh

डॉ. अभिषेक सिंह
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी